

Swachh Vidyalaya Puraskar स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2017-18

Recongning excellence in
Water, Sanitation and Hygiene
In schools

स्कूलों में

जल, सफाई और स्वच्छता के क्षेत्र में

उत्कृष्टता के लिये सम्मान

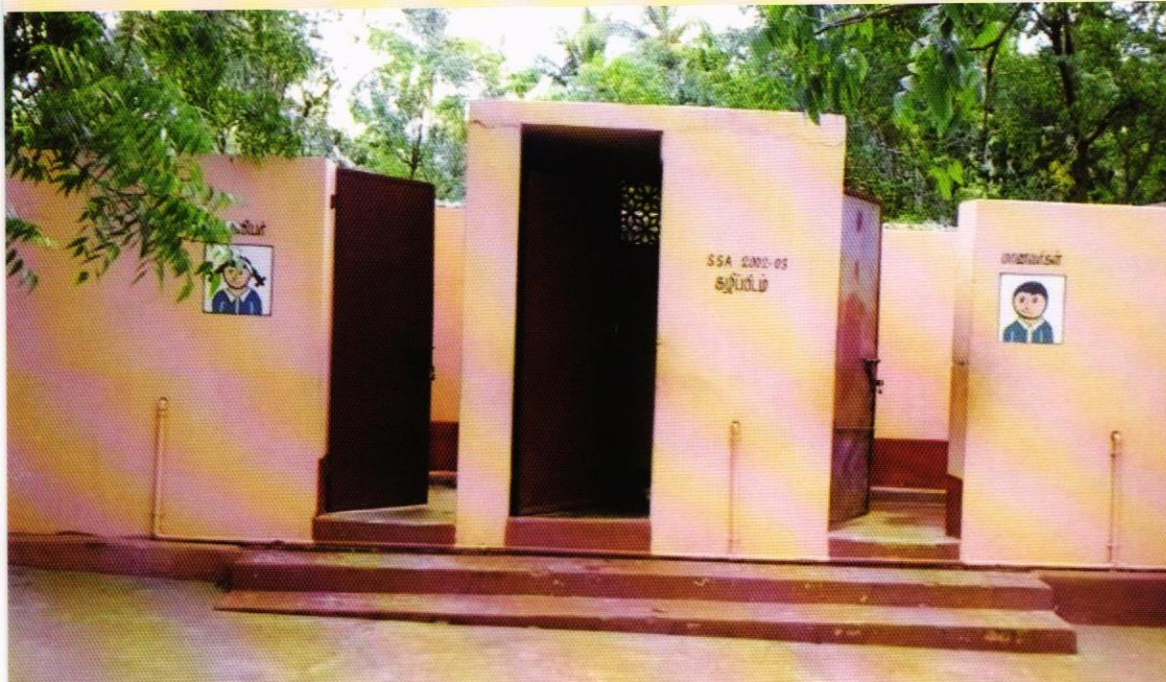


Instituted by
Ministry of Human Resource Development
Government of India



विषय सूची

1. स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय : एक राष्ट्रीय मिशन	1
2. स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2017-18	3
3. पुरस्कार के लिए पात्र कौन है?	3
4. पुरस्कार हेतु विद्यालयों के चयन की प्रक्रिया	3
5. पुरस्कार की श्रेणियां	5
6. पुरस्कार प्रक्रिया के चरण और समय-सीमा	6
संलग्नक 1: स्कूल स्तर की जानकारी के लिए स्व-मूल्यांकन प्रपत्र	7
संलग्नक 2: सूचकांको की सूची	14
संलग्नक 3: स्कोरिंग का तरीका (Scoring Method)	15



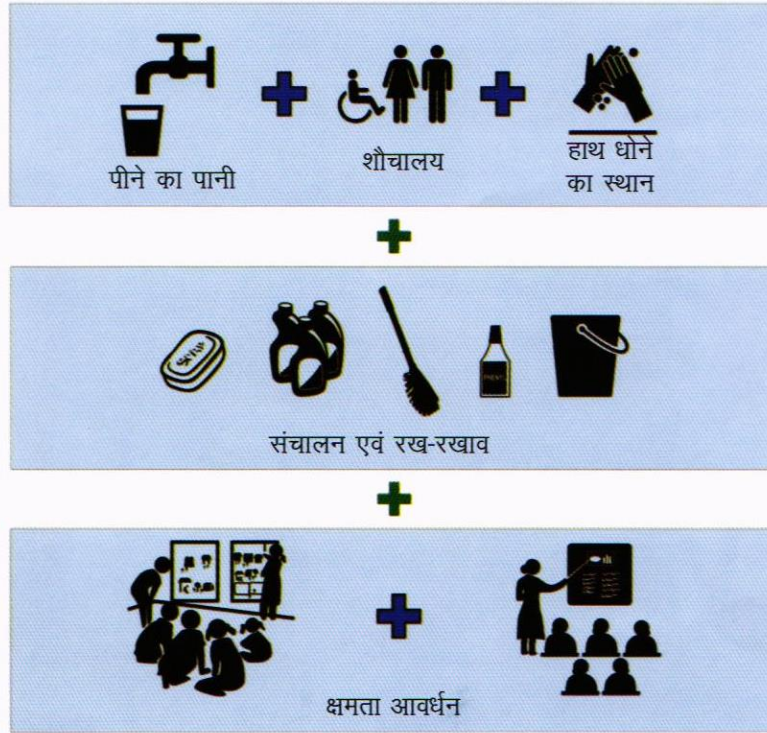
1

स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय : एक राष्ट्रीय मिशन :



स्कूलों में जल, एवं स्वच्छता बच्चों के स्वास्थ्य, उपस्थिति, ड्रॉप आउट (स्कूल की पढाई बीच में छोडना) दर और शैकक्षिक परिणामों को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। शालाओ में जल, एवं स्वच्छता सुविधाओं की व्यवस्था, एक स्वस्थ स्कूल वातावरण निश्चित करती है और बच्चों को बीमारी और अपवर्जन से बचाती है। यह सीखने योग्य स्वस्थ स्वच्छ वातावरण तैयार करने की ओर पहला चरण है, जो शिक्षा व स्वास्थ्य, दोनों को लाभान्वित करता है। वे बच्चे जो स्वस्थ व सुपोषित होते हैं, स्कूल में पूर्ण भागीदारी कर सकते हैं और प्रदान की जा रही शिक्षा से अधिकतम लाभ अर्जित करते हैं। स्कूलों से उपयुक्त स्वच्छता पूर्ण व्यवहार को प्रोत्साहित करना भी, इस पहल का एक मुख्य उद्देश्य है।

चित्र 1 : स्वच्छ विद्यालय पैकेज



स्रोत: स्वच्छ विद्यालय पुस्तिका

वर्ष 2014 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने "स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय अभियान" (एसबीएसवी) की पहल की थी, ताकि भारत के सभी स्कूलों में बालकों और बालिकाओं के लिए अलग-अलग कार्यशील शौचालयों को सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल बच्चों में उपयुक्त स्वच्छता और उनके व्यवहार तथा आदतों का संवर्धन करने पर भी जोर देती है।

स्वच्छ विद्यालय पहल ने स्कूलों में जल एवं स्वच्छता के आवश्यक घटकों को परिभाषित किया है तथा जल, शौचालय, साबुन से हाथ धुलाई, संचालन एवं रखरखाव, व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण के तहत श्रेणीबद्ध किया गया है।

जल, पेय और स्वच्छता को आदतों के अपेक्षित सेवा स्तर (सर्विस लेवल) को प्राप्त करने के माध्यम के रूप में बुनियादी, न्यूनतम पैकेज को सभी स्कूलों द्वारा समान रूप से समझा और उपयोग किया जाना अपेक्षित है। इस पहल को शुरू किए जाने से राज्य, जिले, स्थानीय सरकारों के साथ ही, स्कूलों ने पूरे देश में स्वच्छता सुविधाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है। इस कार्यक्रम के तहत स्कूलों में हर विद्यार्थी के लिए पेय जल एवं स्वच्छता के वातावरण को एवं बच्चों के अनुकूल डिजाइन, उचित रखरखाव को पद्धतियों, आईसीटी उपकरणों के माध्यम से कारगर मॉनीटरिंग, कारगर व्यवहार परिवर्तन संचार, नये वित्तपोषण विकल्प और साझेदारी को शुरू किया है।

स्वच्छ विद्यालय के पहल की उपलब्धियों में तेजी लाने व उन्हें सतत बनाने के लिए, स्वच्छता के व्यवहार को उचित पहचान देने के साथ, उन्हें सबके साथ साझा किया जाना आवश्यक है।



बच्चे परिवर्तन के प्रतिनिधि है

विद्यालय, शिक्षा हेतु सर्वोचित प्रवेश स्थल हैं। विद्यालय, सामान्यतः माता-पिता और समुदाय को, विद्यालय में बच्चों के जरिए ज्ञान के प्रचार-प्रसार के माध्यम से या प्रत्यक्ष भागीदारी तथा प्रदर्शन के जरिए बच्चों के शिक्षण में शामिल होने का अवसर प्रदान करते हैं। वयस्कों की तुलना में बच्चे जल्दी सीखते हैं और अपने व्यवहार को आसानी से माहौल के अनुरूप ढाल लेते हैं। बच्चे प्रेरणा का प्रभावी स्रोत भी होते हैं। वे अपने घरों में मौजूदा रीतियों पर सवाल उठा सकते हैं और अच्छी आरोग्यता का प्रदर्शन कर सकते हैं। वे जो कुछ विद्यालय में सीखते हैं, संभवतः आगे अपने साथियों, भाई-बहनों तथा माता-पिता बनने पर अपने बच्चों को भी वैसी ही शिक्षा देते हैं।

2

स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2017-18

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग, भारत सरकार ने स्कूलों में सर्वश्रेष्ठ सफाई व स्वच्छता व्यवहार को प्रोत्साहित और सम्मानित करने हेतु वर्ष 2016 - 17 में स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार (SVP) प्रारम्भ किया था। पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य है, उन स्कूलों को सम्मानित करना, जिन्होंने स्वच्छ विद्यालय अभियान के अधिदेश को पूरा करने केलिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2016 - 17 को 35 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के 2.5 लाख से अधिक विद्यालयों की प्रविष्टियों की अच्छी संख्या प्राप्त हुई थी। स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2017 - 18, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2016 - 17 के अनुभवों एवं सफलता पर आधारित हैं।

3

पुरस्कार के लिए पात्रता

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित (क) सरकारी स्कूल, (ख) सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूल और (ग) प्राइवेट स्कूल

4

पुरस्कार हेतु स्कूलों के चयन की प्रक्रिया

पुरस्कारों के लिए स्कूलों के चयन और पहचान की प्रक्रिया निम्न अनुसार है:

- स्कूल ऑनलाइन उपलब्ध कराये गये, निर्धारित प्रपत्र (अनुबंध 1) के अनुसार रजिस्ट्रेशन करेंगे। (<http://mhrd.gov.in> → Swachh Vidyalaya → Swachh Vidyalaya Puraskar 2017 - 18) या मोबाईल एप, "Swachh Vidyalaya Puraskar 2017 - 18". को डाउनलोड करके। मोबाईल एप को Google Play Store से अथवा apple store से डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते हैं। स्कूल के पंजीयन के लिए स्कूल के UDISE कोड की आवश्यकता होगी।
- वेबसाईट / मोबाईल एप को विभिन्न श्रेणी के विद्यालयों की आवश्यकतानुसार बनाया गया है।
- विद्यालय से अपेक्षित है कि की वे प्रपत्र में आवश्यक जानकारी सही - सही दें।
- प्रपत्र में दी गयी जानकारी "स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय अभियान" की मार्गनिर्देशिका के अनुसार है। अनुबंध 2 में (क) जल (ख) शौचालय (ग) साबुन से हाथ धोना (घ) संचालन और रखरखाव और (ङ) व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण के तहत श्रेणीबद्ध किए गए सूचकांकों की सूची उपलब्ध कराई गई हैं।
- प्रत्येक संबंधित उप-श्रेणी के दिये जानेवाले अधिकतम मूल्यांकन (weightage) निम्न सारणी 1, के अनुसार है।

सारणी 1: स्वच्छ विद्यालय उप-श्रेणी को दिया गया वेटेज

उप-श्रेणी	अधिकतम अंक
जल	22
शौचालय	28
साबुन से हाथ धुलाई	20
संचालन एवं रखरखाव	15
व्यवहार परिवर्तन और क्षमता आवर्धन	15
कुल	100

VI. प्रत्येक श्रेणी (category) में स्कूल की उपलब्धि के निष्पादन का स्कोर, अनुबंध-3 में दी गयी प्रक्रिया के अनुसार किया जायेगा।

VII. प्राप्त स्कोर के आधार पर स्कूलों को यथा उल्लेखित सारणी 2 के अनुसार स्टार रेटिंग दी जाएगी।

सारणी 2 - स्वच्छ विद्यालय के अंतर्गत स्कूल की रेटिंग का मूल्यांकन

स्कोर	स्टार रेटिंग	टिप्पणियां
90% से 100% मानक	*****	उत्कृष्ट, जारी रखे
75% से 89% मानकों का अनुपालन	****	बहुत अच्छा
51% से 74% मानकों का अनुपालन	***	अच्छा, लेकिन सुधार की गुंजाइश
35% से 50% मानकों का अनुपालन	**	ठीक, सुधार आवश्यक
Below से 35% मानकों का अनुपालन	*	खराब, अधिक सुधार की आवश्यकता

* किसी भी पुरस्कार के लिए पात्रता हेतु प्रत्येक स्कूल को प्रत्येक उप श्रेणी में कम से कम 2 स्टार रेटिंग को प्राप्त करना आवश्यक है।



पुरस्कारों को जिला, राज्य और राष्ट्र स्तर पर विभाजित किया गया है -

(i) जिला स्तरीय पुरस्कार : सभी फाइव स्टार, फोर स्टार और त्रीस्टार श्रेणी के स्कूल के लिए

- निर्धारित अन्तिम तिथि से पहले, आनलाइन (वेब/मोबाईल) द्वारा प्राप्त आवेदनों की, जिला कलेक्टर (अथवा उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी) की अध्यक्षता में गठित, जिला स्तर कमेटी द्वारा जांच की जाएगी, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी, 3 प्रतिष्ठित स्कूल शिक्षक, सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर (जल आपूर्ति/जन स्वास्थ्य विभाग), जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं 2 सिविल सोसाइटी संगठनों/एन.जी.ओ. के दो प्रतिनिधि होंगे।
- ग्रामीण :
 - क) तीन प्रारम्भिक और तीन माध्यमिक विद्यालय, जिनका अधिकतम कुल स्कोर, थ्री स्टार रेटिंग के नीचे नहीं हो, का चयन जिला स्तर के पुरस्कार के लिए होगा (कुल 6 विद्यालय)
 - ख) इसके अलावा, प्रत्येक उप-श्रेणी में, अधिकतम स्कोर वाले 6 विद्यालय (तीन प्रारम्भिक और तीन माध्यमिक), जिनकी प्रत्येक उप-श्रेणी में फाइव स्टार के नीचे की रेटिंग न हो, का चयन जिला स्तर पर उप श्रेणी के पुरस्कारों के लिए किया जाएगा। (कुल 30 विद्यालय)
- शहरी
 - क) दो स्कूल (1 प्रारम्भिक और 1 माध्यमिक) विद्यालय, जिनका कुल स्कोर थ्री स्टार रेटिंग के नीचे नहीं हो, का चयन जिला स्तर के लिए होगा (कुल 2 विद्यालय)
 - ख) इसके अलावा, प्रत्येक उप-श्रेणी में, अधिकतम स्कोर वाले 2 विद्यालय (1 प्रारम्भिक और 1 माध्यमिक), जिनकी उप-श्रेणी में रेटिंग फाइव स्टार के नीचे नहीं हो, का चयन जिला स्तर पर उप श्रेणी के पुरस्कारों के लिए किया जाएगा। (कुल 10 विद्यालय)
- जिला स्तर की समिति द्वारा, जिले के स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों से मिलकर बनी टीम के माध्यम से, नामांकित स्कूलों का वास्तविक सत्यापन किया जाएगा। यह सत्यापन एक जांच सूची (चेकलिस्ट) का उपयोग करके और फोटो के माध्यम से किया जाएगा।
- अधिकतम कुल स्कोर वाले विद्यालयों (कुल 8) व प्रत्येक उप-श्रेणी के तहत अधिकतम स्कोर वाले प्रत्येक चयनित विद्यालय (कुल 40) को जिला स्तर पर मान्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा, बशर्ते की कुल मिलाकर सभी फाइव स्टार रेटिंग स्कूलों को मान्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

(ii) राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय पुरस्कार : फाइव स्टार और फोर स्टार श्रेणी के स्कूलों के लिए

- जिला स्तर के ऐसे स्कूल पर जिनकी कुल रेटिंग फोर स्टार से कम नहीं हो, को राज्य / संघ राज्य क्षेत्र के स्तर के पुरस्कारों के लिए, विचार किया जाएगा। यदि जिला स्तर के फाइव स्टार रेटिंग वाले स्कूलों की संख्या अधिक है, तो फाइव स्टार रेटिंग वाले सभी स्कूलों पर राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर पुरस्कारों के लिए पर विचार किया जायेगा।
- इन विद्यालयों की जांच, राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर राज्य शिक्षा सचिव या उनके द्वारा मनोनीत अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति, जिसमें निदेशक (शिक्षा), निदेशक (स्वास्थ्य), दो प्रतिष्ठित स्कूल प्रमुख (राज्य शिक्षा सचिव द्वारा चुने गए), मुख्य अभियन्ता (जल आपूर्ति तथा जन स्वास्थ्य विभाग), निदेशक (पंचायती राज), निदेशक (शहरी स्थानीय निकाय), सदस्यों के रूप में सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिनिधियों के सदस्य भी शामिल रहेंगे, के द्वारा की जायेगी।
- 20 प्रारम्भिक और 20 माध्यमिक स्कूल, जिनके अधिकतम स्कोर के साथ रेटिंग फोर स्टार से कम न हो, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से (पांच शहरी और पंद्रह ग्रामीण क्षेत्रों से), को राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तरीय पुरस्कारों के लिए चुने जाएंगे।
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर की समिति द्वारा चुने गये विद्यालयों का, जिले के स्कूल में शिक्षकों और विद्यार्थियों की एक टीम द्वारा, वास्तविक सत्यापन कराया जायेगा। सत्यापन एक जांच सूची (चेकलिस्ट) का उपयोग करके और फोटो के माध्यम से किया जाएगा।
- प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र द्वारा राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर के लिए चयनित, अधिकतम 40 स्कूलों को मान्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

- इन विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए, राज्य उन्हें अतिरिक्त अनुदान / निधि, से सम्मानित करने का निर्णय ले सकते हैं।
- राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए प्रत्येक राज्य / संघ शासित प्रदेश से प्रारम्भिक और माध्यमिक स्तर पर प्रत्येक में अधिकतम 20 प्रविष्टियों पर विचार किया जाएगा।

(iii) राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार: केवल फाइव स्टार रेटिंग वाले स्कूलों के लिए

- प्रारम्भिक और माध्यमिक, प्रत्येक स्तर पर अधिकतम 100 स्कूलों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। (प्रत्येक स्तर में अधिकतम सीमा - 30 शहरी और 70 ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल)
- प्रत्येक राज्य संघ शासित प्रदेश से, फाइव स्टार की रेटिंग वाले राज्य / संघ शासित प्रदेश स्तर के पुरस्कारों के लिए चयनित अधिकतम 40 स्कूलों पर राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए, विचार किया जाएगा।
- राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिये योग्य घोषित किया गए नामांकित विद्यालयों द्वारा प्राप्त स्कोर के आधार पर, तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को मान्यता पत्र से सम्मानित किया जाएगा।
- 100 प्रतिशत विद्यालयों का वास्तविक सत्यापन एक चेकलिस्ट और फोटो के द्वारा किया जाएगा।
- सचिव (स्कूल शिक्षा और साक्षरता) की अध्यक्षता में, एक राष्ट्रीय स्तर की समिती, जिसमें अतिरिक्त सचिव (स्कूल शिक्षा), संयुक्त सचिव (पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय), संयुक्त सचिव (स्कूल शिक्षा), स्कूलों/बायलेटरल (द्विपक्षीय) एजेंसियां / सिविल सोसाइटी संगठनों के तीन विशेषज्ञ (सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता द्वारा नामांकित) शामिल रहेंगे, के द्वारा अन्तिम पुरस्कार विजेताओं पर निर्णय लिया जायेगा।
- प्रारम्भिक और माध्यमिक प्रत्येक स्तर पर अधिकतम स्कोर प्राप्त करने वाले सर्वश्रेष्ठ प्रत्येक 100 विद्यालयों को मान्यता प्रमाण पत्र व अतिरिक्त स्कूल अनुदान के रूप में 50,000/- रुपये का पुरस्कार दिया जायेगा, जिसका उपयोग स्कूल अनुदान दिशानिर्देशों के अनुसार, स्वच्छता व सफाई में सुधार के लिए किया जाएगा।
- इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों में भाग लेने वाले विद्यालयों के प्रतिशत के आधार पर, सर्वश्रेष्ठ जिलों (कुल 10) को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों के लिए व्यय SSA/RMSA कार्यक्रमों के तहत वहन किया जाएगा।

6

पुरस्कार प्रक्रिया के चरण और समय-सीमा

आवेदन का जमा किया जाना	1 st सितंबर से 31 st अक्टूबर, 2017
जिला स्तर पर पुरस्कार का चयन व इसके परिणाम को राज्य / संघ राज्य क्षेत्र को प्रेषित किया जाना।	1 st नवम्बर से 30 th नवम्बर, 2017
राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर पुरस्कारों का चयन	1 st दिसम्बर से 31 st दिसम्बर, 2017
राष्ट्रीय स्तर के चयन के लिए मानव संसाध विकास मंत्रालय का राज्य / संघ राज्य स्तर के परिणाम प्रस्तुत करना	7 th जनवरी, 2018 तक
राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए स्कूल का चयन	31 st मार्च 2018

स्कूल स्तर की जानकारी के लिए स्व-मूल्यांकन प्रपत्र

भाग क - प्रारंभिक जानकारी

क 1 - UDISE कोड:

क 2 - स्कूल का नाम और पता :

क 3 - उत्तरदाता का नाम:

क 4 - उत्तरदाता का पद:

क) हेड मास्टर / हेड मिस्ट्रेस

ख) स्कूल प्रभारी

ग) शिक्षक

घ) अन्य

क 5 - उत्तरदाता का सम्पर्क ब्यौरा :

क) स्कूल फोन

ख) मोबाइल

ग) ई-मेल आईडी

क 6 - स्कूल की श्रेणी

क) प्राथमिक (1-5)

ख) प्राथमिक, उच्च प्राथमिक (1-8)

ग) प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक (1-10)

घ) प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक/ उच्चतर माध्यमिक(1-12)

ड) उच्च प्राथमिक, माध्यमिक (6-8)

छ) उच्च प्राथमिक, माध्यामिक / उच्चतर माध्यामिक (6-12)

ज) केवल माध्यमिक (9-10)

झ) माध्यामिक / उच्चतर माध्यमिक (9-12)

क 7 - स्कूल का प्रकार

क) केवल बालक

ख) केवल बालिकाएं

ग) सहशिक्षा

क 8 - स्कूल परिसर का उपयोग

क) एकल स्कूल - एकल पारी

ख) एक स्कूल- दो पारियाँ

ग) विभिन्न UDISE कोड के कई स्कूल एक ही परिसर में

क 9 - स्कूल की स्थापना का वर्ष

क 10 - स्कूल का स्थान

क) ग्रामीण क्षेत्र

ख) शहरी क्षेत्र

क 11 - बोर्ड का प्रकार

क) राज्य

ख) अन्य

क 12 - स्कूल में दाखिल विद्यार्थियों की संख्या का स्थापन किया जा रहा है:

क) बालक

ख) बालिकाएं

क 13 - विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की संख्या

क) बालक

ख) बालिकाएं

क 14 शिक्षकों और कर्मचारियों की संख्या

क) पुरुष

ख) महिला

क 15. एस वी पी 2016-17 में विद्यालय द्वारा जीते गये पुरस्कारों की जानकारी

क) जिला स्तर

ख) राज्य स्तर

ग) राष्ट्रीय स्तर

घ) कोई नहीं

- सेव करें ।
- एसएनएस पर ओटीपी आयेगा ।
- UDISE कोड और ओटीपी को उपयोग करते हुए शेष सर्वेक्षण को पूरा करने हेतु लॉग इन करें ।

जल

- सुरक्षित और विश्वसनीय पीने के पानी तक पहुंच
- शौचालय और हाथ धोने में उपयोग के लिए जल की उपलब्धता

सर्वे

1. स्कूल में पीने के पानी का मुख्य स्रोत स्रोत क्या है?
क) विद्यार्थियों की पीने के पानी तक पहुंच नहीं है।
ख) विद्यार्थी अपने घर से पीने का पानी लाते हैं।
ग) स्कूल परिसर के अंदर हैण्डपंप बोरवेल है।
घ) फिल्टर/पैकेज/आरओ/अल्ट्रावायलेट पीने का पानी स्कूल द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है।
ड) स्टोरेज टैंक से शुद्धिकृत कर जल स्कूल परिसर में प्रदाय किया जाता है।
यदि (क) या (ख) है, तो 2 से 4 नंबर आप पर लागू नहीं होते हैं। कृपया सीधे नंबर 5 के सवाल पर जायें।

2. स्कूल में पीने के पानी की उपलब्धता कितनी है?
क) प्रतिदिन प्रति विद्यार्थी 1.5 लीटर से कम
ख) साल भर में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 1.5 लीटर से अधिक
3. पीने का पानी का स्कूल में संग्रहण कैसे किया जाता है?
क) पीने के पानी के संग्रहण के लिए/भंडारण की व्यवस्था नहीं है।
ख) पात्र/घड़ा
ग) पानी निकालने हेतु डन्डी वाले लोटे के साथ पात्र/घड़ा
4. क्या पीने के पानी की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया है?
क) कोई परीक्षण नहीं
ख) वर्ष में एक बार परीक्षण
ग) वर्ष में दो बार परीक्षण
5. शौचालय में उपयोग के लिए पानी का मुख्य स्रोत क्या है ?
क) पानी उपलब्ध नहीं है
ख) शौचालय के पास हैण्डपम्प/बाल्टी
ग) शौचालय के अंदर ही पानी से भरा ड्रम/सीमेंट टैंक/प्लास्टिक टैंक
घ) प्रत्येक शौचालय के अंदर नल के द्वारा पानी की निरंतर आपूर्ति
6. शौचालय उपयोग के पश्चात हाथ धुलाई हेतु पानी का स्रोत क्या है?
क) पानी का कोई पात्र या नल उपलब्ध नहीं है।
ख) हाथ धुलाई के स्थान के पास के हैण्डपम्प/बाल्टी
ग) हाथ धुलाई के स्थान के पास के पानी से भरा ड्रम/सीमेंट टैंक/प्लास्टिक टैंक
घ) हाथ धुलाई के स्थान पर, नल के द्वारा पानी की निरंतर आपूर्ति

यदि (क) या (ख) है, तो 19 से 20 नंबर के प्रश्न आप पर लागू नहीं होते हैं।

7. मध्याह्न भोजन एमडीएम/दोपहर के भोजन से पहले विद्यार्थियों व रसोईयों की हाथ धुलाई हेतु पानी का स्रोत क्या है?
क) पानी उपलब्ध नहीं है
ख) हाथ धुलाई के स्थान के पास के हैण्डपम्प/बाल्टी
ग) हाथ धुलाई के स्थान के पास ही पानी से भरा ड्रम/सीमेंट टैंक/प्लास्टिक टैंक
घ) हाथ धुलाई स्थान पर, नल के द्वारा पानी की निरंतर आपूर्ति

यदि (क) या (ख) है, तो 21,22 और 23 नंबर के प्रश्न आप पर लागू नहीं होते हैं।

8. क्या स्कूल में कार्यशील वर्षा जल संग्रहण की सुविधा है ?
क) नहीं
ख) हां

शौचालय

- बालकों और बालिकाओं के लिए अलग से चालू शौचालयों की उपलब्धता
- बालकों और बालिकाओं के लिए अलग से चालू पेशाबघर की उपलब्धता
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए कार्यशील शौचालयों की उपलब्धता

9. क्या स्कूल में बालकों और बालिकाओं की पृथक - पृथक चालू शौचालय इकाई (1 शौचालय सीट व 03 पेशाबघर) उपलब्ध है।

- क) स्कूल में कोई भी बालक और बालिका शौचालय इकाई नहीं है।
ख) बालक एवं बालिकाओं द्वारा एक ही शौचालय इकाई का उपयोग किया जाता है।
ग) सभी बालक/बालिकाओं के लिए शौचालय इकाई उपलब्ध हैं।
घ) यदि सह-शिक्षा है, तो स्कूल में बालक व बालिकाओं प्रत्येक के लिए कम से कम एक शौचालय इकाई उपलब्ध है।

यदि (क) है तो 10 से 13 नंबर के प्रश्न आप पर लागू नहीं होते हैं, कृपया सीधे नंबर 14 के सवाल पर जायें।
यदि (ख) है तो 10 से 11 नंबर के प्रश्न आप पर लागू नहीं होते हैं, कृपया सीधे नंबर 12 के सवाल पर जायें।

10. स्कूल में बालक व बालिकाओं के उपयोग हेतु कितने शौचालय चालू हालत में हैं?

- क) बालक
ख) बालिका

11. स्कूल में बालक व बालिकाओं के उपयोग हेतु कितने पेशाबघर चालू हालत में हैं?

- क) बालक
ख) बालिका

12. क्या स्कूल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शौचालय है?

- क) शौचालय, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहुंच में नहीं है।
ख) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के उपयोग के लायक कम से कम एक शौचालय उपलब्ध है।
ग) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु रैम्प व रेलिंग के साथ उपयोग हेतु कम से कम एक शौचालय उपलब्ध है।
घ) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु स्कूल में रैम्प, रेलिंग, हैण्डरेल के साथ व्हीलचेयर के प्रवेश हेतु चौड़े दरवाजे और शौचालय के अंदर सहायता ढांचे के साथ अलग से कम से कम एक शौचालय उपलब्ध है।

13. क्या स्कूल शौचालय व मूत्रालय की ऊँचाई व आकार सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपयुक्त है?

- क) नहीं ख) हां

14. क्या स्कूल के शिक्षक व अन्य कर्मचारियों के लिए अलग से शौचालय उपलब्ध है?

- क) शौचालय नहीं है
ख) शिक्षक व अन्य कर्मचारियों के लिए एक अलग से शौचालय है
ग) महिला व पुरुष शिक्षकों/कर्मचारियों हेतु अलग-अलग से शौचालय है
घ) शिक्षक और अन्य कर्मचारी, विद्यार्थियों के लिये बने शौचालय का ही उपयोग करते हैं

15. क्या स्कूल के सभी शौचालयों में कपड़े टांगने वाले हुक के साथ सुरक्षित दरवाजे हैं?

- क) नहीं ख) केवल कुंडी/बोल्ट
ग) दरवाजे, कुंडी व कपड़े टांगने वाले हुक के साथ है

16. क्या सभी शौचालयों में प्राकृतिक प्रकाश व हवा हेतु उचित वेंटिलेशन व छत है?

- क) नहीं ख) हां

17. क्या स्कूल में माहवारी संबंधी अपशिष्ट (sanitary waste) के निपटान के लिए, अलग से ढक्कन युक्त कचरा डब्बा है?

- क) नहीं ख) हां

18. क्या माहवारी संबंधी अपशिष्ट (sanitary waste) के सुरक्षित ट्रीटमेंट/निपटान का विकल्प है? (चालू हालत में एक इनसिनेरेटर (भस्मक), पर्याप्त बर्निंग तापमान बनाये रखता है या अपशिष्ट के गहराई से पर्याप्त सावधानी में निपटान का विकल्प)।

- क) नहीं ख) हां

साबुन से हाथ धुलाई

- शौचालय उपयोग के बाद साबुन से हाथ धुलाई के लिए कार्यशील (चालू) स्थिति में हाथ धुला व्यवस्था
- भोजन से पूर्व साबुन से हाथ धुलाई के लिए चालू स्थिति में हाथ धुलाई व्यवस्था

19. क्या स्कूल में शौच के पश्चात हाथ धुलाई की व्यवस्था / सुविधा है ?

- क) शौचालय के पास हाथ धोने की व्यवस्था नहीं है?
- ख) वाशबेसिन या हाथ धोने का स्थान शौचालय के पास में उपलब्ध हैं
- ग) वाशबेसिन या हाथ धोने के स्थान शौचालय के भीतर हैं या हर शौचालय इकाई के साथ संलग्न है।

यदि (क) है तो 20 नंबर प्रश्न आप पर लागू नहीं होता है। कृपया सीधे नंबर 21 के प्रश्न पर जायें।

20. क्या स्कूल शौचालय उपयोग के बाद साबुन उपलब्ध (व्यवस्था) कराया है?

- क) साबुन उपलब्ध नहीं हैं
- ख) साबुन स्कूल के देखरेख में हैं, व मांगे जाने पर उपलब्ध कराया जाता है।
- ग) साबुन सभी हाथ धुलाई के स्थान पर हमेशा उपलब्ध है।

21. क्या स्कूल में मध्याह्न भोजन दोपहर के भोजन के पूर्व हाथ धुलाई की व्यवस्था है, जहां एक ही समय पर बच्चों को समूह में एक साथ हाथ धुलाई करायी जा सके।

- क) हाथ धुलाई इकायी उपलब्ध नहीं है
- ख) हां, हैडपंप बाल्टी के पानी से, भोजन करने के स्थान के समीप
- ग) हां, नल के पानी से, नल की संख्या इंगित करें

यदि (क) है तो 22 से 24 नंबर के प्रश्न आप पर लागू नहीं होते, सीधे नंबर 25 के प्रश्न पर जाये।

22. क्या स्कूल मध्याह्न भोजन के पूर्व हाथ धुलाई के लिए साबुन उपलब्ध कराता है?

- क) साबुन उपलब्ध नहीं है।
- ख) साबुन स्कूल के देखरेख में हैं, व मांगे जाने पर उपलब्ध कराया जाता है
- ग) साबुन सभी हाथ धुलाई के स्थान पर हमेशा उपलब्ध है

23. क्या सभी बच्चें मध्याह्न भोजन के पूर्व साबुन से हाथ धोते हैं?

- क) नहीं, सभी नहीं
- ख) हां, सभी बच्चे साबुन से हाथ धोते हैं

24. क्या स्कूल में हाथ धुलाई इकायी की ऊँचाई, सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए उपयुक्त है?

- क) नहीं
- ख) हां

संचालन एवं रखरखाव

ठोस और तरह अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान
स्कूल वातावरण की सफाई, स्वच्छता और रखरखाव

25. क्या स्कूल में प्रत्येक कक्षा, रसोईघर, शौचालय व अन्य उपयुक्त जगह पर कचरादान की व्यवस्था है?
क) नहीं
ख) हां
26. स्कूल, अपने ठोस अपशिष्ट (कचरे) का निपटान कैसे करता है।
क) कोई विशेष उपाय नहीं है
ख) गड्ढे में या कचरादान (नगर पालिका / सामुदायिक) दोनों का
ग) कार्बनिक और अकार्बनिक कचरे को अलग करके गड्ढे में या कचरादान (नगर पालिका/सामुदायिक) में निपटान करते हैं।
घ) कम्पोस्ट कचरे को गड्ढे में व अकार्बनिक कचरे को कचरे को कचरादान (नगर पालिका/सामुदायिक) में निपटान करते हैं।
27. स्कूल तरल अपशिष्ट (गन्दे पानी) का निपटान कैसे करते हैं ?
क) कोई व्यवस्था नहीं है
ख) नाली के द्वारा
ग) शोखता गड्ढा - सुरक्षित मजबूती से ढका हुआ है। गिरने की दुर्घटना से बचने के लिए
घ) सेप्टिक टैंक / बायो शौचालय / - सुरक्षित मजबूती ढका हुआ, सिवरेज लाईन - गिरने की दुर्घटना से बचने के लिए
28. क्या स्कूल परिसर स्वच्छ है व जलभराव की स्थिति (जल के इकट्ठा होने) से मुक्त है ?
क) नहीं ख) हां
29. क्या कक्षाओं व शैक्षणिक क्षेत्र की प्रतिदिन सफाई होती है।
क) नहीं ख) हां
30. शौचालय की सफाई कितने अन्तराल में होती है ?
क) कोई विशेष समय-सारणी निर्धारित नहीं
ख) साप्ताहिक
ग) सप्ताह में दो बार
घ) प्रतिदिन
31. क्या शौचालयों की उपयुक्त सफाई (क्लीनिंग) सामग्री से सफाई की जाती है ?
क) सिर्फ पानी से सफाई
ख) कम से कम माह में एक बार साबुन/डिर्टजेन्ट और कीटाणुनाशक से
ग) कम से कम माह में 2 बार साबुन/डिर्टजेन्ट और कीटाणुनाशक से
घ) रोज साबुन/डिर्टजेन्ट और कीटाणुनाशक से

व्यवहार परिवर्तन व क्षमता निर्माण

- विद्यार्थियों और मिड-डे मील (मध्याह्न भोजन) के रसोईयों द्वारा स्वच्छता व्यवहारों का अपनाया जाना
- स्कूल में स्वच्छता शिक्षा

32. क्या स्कूल के दो शिक्षकों को "स्वच्छता और साफ - सफाई शिक्षा" में प्रशिक्षण दिया गया है।
क) नहीं ख) हां
33. क्या स्कूल में बाल संसद है, जो स्वच्छता और सफाई के व्यवहार को निभाने में सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है?
क) नहीं ख) हां
34. स्कूल में शौचालय की साफ - सफाई व रखरखाव का निरीक्षण/ध्यान कौन रखता है ?
क) कोई नहीं
ख) शिक्षक, कर्मचारी व बाल संसद की टीम
35. बच्चों और रसोईया द्वारा प्रतिदिन मध्याह्न भोजन/लंच करने व बनाने के पूर्व साबुन से हाथ धोने के व्यवहार का निरीक्षण कौन करता है।
क) विशेष रूप से कोई नहीं
ख) शिक्षक/कर्मचारी सदस्य
ग) शिक्षक/स्टॉफ सदस्यों की निर्धारित टीम
ड) शिक्षक/स्टॉफ सदस्यों तथा बाल संसद की निर्धारित टीम
36. क्या स्कूल में सुरक्षित साफ - सफाई, स्वच्छता शिक्षा के बारे में सुबह प्रार्थना सभा के दौरान और स्कूल क्लब में जागरूक किया जाता है ?
क) नहीं ख) हां
37. क्या छात्राओं से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में चर्चा की जाती है?
क) उच्चतर प्राथमिक और हाई स्कूल में छात्राये नहीं है।
ख) नहीं, इस पर कोई चर्चा नहीं होती
ग) हां, कम से कम 3 माह में 1 बार
घ) हां, कम से कम 2 माह में 1 बार
ड) हां, कम से कम 1 माह में 1 बार
38. क्या स्कूल में नियमित रूप से स्वच्छता और साफ - सफाई पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं (निबंध, चित्रकला, वाद - विवाद) का आयोजन किया जाता है?
क) नहीं ख) हां
39. क्या स्कूल, साफ-सफाई, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को प्रोत्साहन देने के लिए जल, सफाई और स्वच्छता संबंधी पोस्टर व सामाग्री को प्रदर्शित व उपयोग करता है ?
क) नहीं ख) हां

फोटो

- क. स्कूल और परिसर के सामने का दृश्य
- ख. बालक और बालिकाओं के लिए अलग - अलग चालू शौचालय (2 फोटो)
- ग. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) के लिए कार्यशील शौचालय
- घ. माहवारी अपशिष्ट के निपटान के लिए इन्सिनरेटर या सुरक्षित निपटान की सुविधा
- ड. शौचालय के उपयोग के बाद और मिड-डे मील/दोपहर के भोजन से पहले साबुन से हाथ धुलाई के लिए सुविधायें (प्रत्येक का 1 फोटो)
- च. जल गुणवत्ता जांच रिपोर्ट
- छ. शिक्षक प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

अनुबंध 2

सूचकांको की सूची

क्र सं	उप-श्रेणी	सूचकांक
I	जल (Water)	सुरक्षित और विश्वसनीय पीने के पानी तक पहुंच । शौचालय उपयोग हेतु पानी की उपलब्धता ।
II	शौचालय (Toilet)	बालकों और बालिकाओं हेतु अलग से चालू शौचालय की उपलब्धता । बालकों और बालिकाओं हेतु अलग से चालू पेशाबघर की उपलब्धता । विशेष आवश्यकता वाले बच्चों शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए चालू शौचालय ।
III	साबुन से हाथ धुलाई (hand washing with soap)	शौचालय उपयोग बाद साबुन से हाथ धुलाई हेतु चालू हाथ धुलाई सुविधायें भोजन से पूर्व साबुन से हाथ धुलाई के लिए हाथ धुलाई की चालू व्यवस्था ।
IV	संचालन एवं रखरखाव (Operation & maintenance)	ठोस और तरल अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान । स्कूल वातावरण की सफाई, स्वच्छता व रखरखाव ।
V	व्यवहार परिवर्तन व क्षमता निर्माण (Behaviour Change & Capacity Dev.)	स्कूल में सफाई व स्वच्छता शिक्षा । छात्रों और मिड-डे मील/लंच के रसोइयों द्वारा स्वच्छता व्यवहारों का अपनाया जाना ।



अनुबंध ३

स्कोरिंग तरीका

मूल्यांकन श्रेणीयां	अधिकतम स्कोर
जल, (प्र. सं 1-8)	22
शौचालय/शौचालय (प्र. सं 9-18)	28
साबुन से हाथ धुलाई (प्र. सं 19-24)	20
संचालन एवं रखरखाव (प्र. सं 25-31)	15
व्यवहार परिवर्तन और क्षमता निर्माण (प्र. सं 32-39)	15
कुल	100
स्कूल- श्रेणी	अधिकतम स्कोर
सह शिक्षा, उच्च प्राथमिक स्कूल, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक	100
सह शिक्षा, प्राथमिक शाला (प्र. सं 17, 18, 37 लागू नहीं)	95
सभी बाल विद्यालय (प्र. सं . 10, 11ख, 17, 18, 37 लागू नहीं)	89
सभी बालिका विद्यालय, प्राथमिक स्कूल (प्र. सं . 10क, 11क, 17, 18, 37 लागू नहीं)	89
सभी बालिका विद्यालय, प्राथमिक, उच्चतर माध्यमिक (प्र. सं . 9, 10क, 11क लागू नहीं)	91





Content

1.	Swachh Bharat Swachh Vidyalaya: A National Mission	1
2.	Swachh Vidyalaya Puraskar 2017-18	3
3.	Who is eligible for the Awards?	3
4.	Methodology for Selection of Schools for the Awards	3
5.	Categories of Awards	5
6.	Stages and Timelines of the Awards Process	6
	Annexure 1: Self-Assessment Format for School level Information	7
	Annexure 2: List of Indicators	14
	Annexure 3: Scoring Method	15

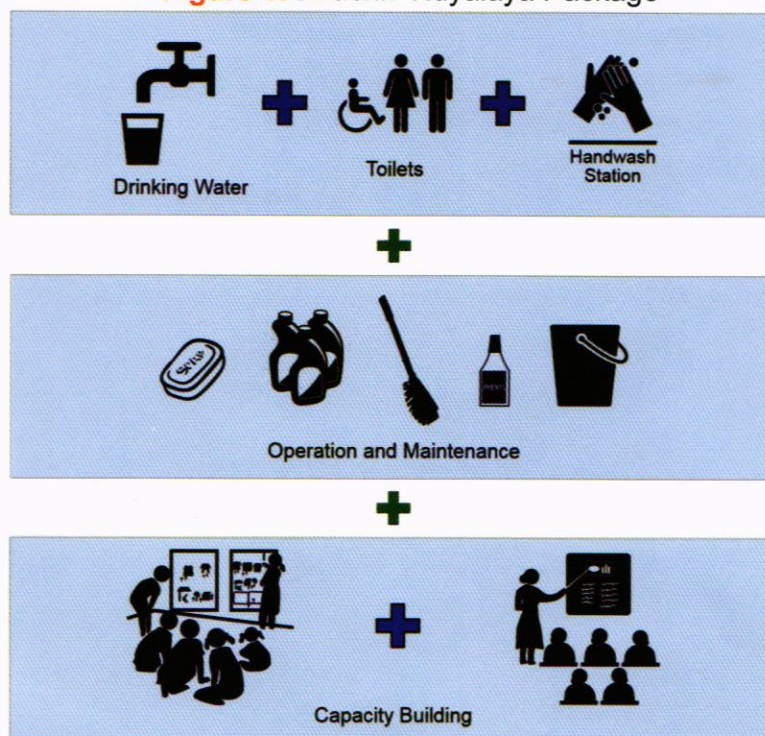
1

Swachh Bharat Swachh Vidyalaya: A National Mission



Water, Sanitation and Hygiene in Schools plays a significant role in determining the health of children, attendance, dropout rate, and learning outcomes. The provision of water, sanitation and hygiene facilities in school secures a healthy school environment and protects children from illness and exclusion. It is a first step towards a healthy physical learning environment, benefiting both learning and health. Children who are healthy and well-nourished can fully participate in school and get the most from the education being imparted.

Figure 1: Swachh Vidyalaya Package



Source: Swachh Vidyalaya Handbook

In 2014, The Ministry of Human Resource Development, Government of India launched 'Swachh Bharat Swachh Vidyalaya' (SBSV) initiative to ensure that all schools in India have access to separate functional toilets for boys and girls. The initiative also has its emphasis on promoting safe and appropriate hygiene practices in schools and behavior among children.

The Swachh Vidyalaya initiative has defined the essential elements of Water, Sanitation and Hygiene in Schools which are categorized under Water, Sanitation, Handwashing with Soap, Operations and Maintenance, Behavior Change Activities and Capacity Building.

It is required that the components of this basic minimum package are commonly understood and used by all schools as a means to achieve desired service levels in water, sanitation and hygiene practices. Following the launch of the initiative, the state, district and local governments as well as schools across the country have significantly improved sanitation facilities in schools. They are striving to improve access and have introduced child friendly designs, maintenance practices, effective monitoring using ICT tools, behavior change communication, new financing options and forging partnerships.

These good practices need to be recognized and shared for accelerating and sustaining the achievements of the Swachh Vidyalaya initiative.



Children are Agents of Change

Schools are an established entry point for learning. They present an opportunity to engage parents and community in general, either through knowledge dissemination via children or through direct engagement and demonstration at the school. Children are fast learners and adapt their behaviour more easily than adults. Children are also effective role models. They may question existing practices in their households and choose to demonstrate good hygiene. What they learn at school is likely to be passed on to their peers and siblings, and to their own children if they become parents.

Source: Swachh Bharat Swachh Vidyalaya Handbook

2

Swachh Vidyalaya Puraskar 2017–18



The Swachh Vidyalaya Puraskar (SVP) was instituted in 2016 - 17 by the Ministry of Human Resource Development, Department of School Education and Literacy, Government of India to recognize, inspire and celebrate excellence in sanitation and hygiene practice in Schools. The explicit purpose of the awards is to honour schools that have undertaken significant steps towards fulfilling the mandate of the Swachh Vidyalaya Campaign. SVP 2016 - 17 received overwhelming response with over 2.5 lakh schools from 35 States and UTs submitting the entries. SVP 2017 - 18 builds on the experience and success of SVP 2016 - 17.

3

Who is eligible for the Awards

The awards will be open to (a) Government schools (b) Government Aided schools, and (c) Private schools, in both rural and urban areas.

4

Methodology for Selection of Schools for the Awards

The process for identifying and recognizing schools for awards is as below:

- I. Schools will register and submit information as per the prescribed format (Annexure 1) made available online (<http://mhrd.gov.in> → Swachh Vidyalaya → Swachh Vidyalaya Puraskar 2017 - 18) or by downloading a mobile app, Swachh Vidyalaya Puraskar 2017 - 18. The mobile app can be downloaded from Google Play Store or apple istore. The registration of schools would be done with the U-DISE code of the school.
- II. The website/mobile app was customized to cater to different categories of schools.
- III. Schools are expected to provide accurate information as required in the format.
- IV. The information in the format corresponds to the requirements in Swachh Vidyalaya guidelines. Annexure 2 provides the list of indicators categorised under (a) Water (b) Toilets (c) Handwashing with Soap (d) Operations and Maintenance and (e) Behavior Change and Capacity building.
- V. Maximum weightage assigned for each of the Sub-categories is given in Table 1:

Table 1: Weightage Assigned to Swachh Vidyalaya Sub-categories

Sub-Categories	Maximum Score
Water	22
Toilet	28
Handwashing With Soap	20
Operations And Maintenance	15
Behavior Change And Capacity Building	15
TOTAL	100

- VI. The performance of the schools against categories will be scored as per the method given in Annexure 3.
- VII. On the basis of the scores obtained, the schools would be given a star rating as described in Table 2.

Table 1: Weightage Assigned to Swachh Vidyalaya Sub-categories

Score	Star Rating	Remarks
90% - 100% of the Norms	*****	Excellent Keep it up
75%- 89% adherence to the Norms	****	Very Good
51% - 74% adherence to the Norms	***	Good, but there is a scope for improvement
35%- 50% adherence to norms	**	Fair, Needs Improvement
Below 35% adherence to the Norms	*	Poor : Needs considerable Improvement

* Each school should score a minimum of Two Star rating in each of the Sub-categories in order to be eligible for any award.





5 Categories of Awards

The awards are categorized at the District level, State and National level

(i) District Level Awards: Open to All Five Star, Four Star and Three Star Rated Schools

- Online (web/ mobile) applications received before the cut-off date will be screened by a District level Committee headed by the District Collector (or her/his appointee) and comprising of District Education officer, three eminent school teachers, Superintendent Engineer (Water supply / PHD), District Health Officer and two members from civil society organizations/NGOs.
- RURAL:
 - a) Three elementary and three secondary schools having the highest overall score with rating not below Three Star will be selected for the District level Award (Total 6)
 - b) In addition, six schools (three elementary and three secondary) having the highest score in each of the Sub Categories with rating not below Five Star in the sub- category will be selected for sub-category wise awards at the district level (Total 30)
- URBAN:
 - a) Two schools (one elementary and one secondary) having the highest overall score with rating not below Three Star will be selected for the District level Award (Total 2)
 - b) In addition, two schools (one elementary and one secondary) having the highest score in each of the Sub Categories with rating not below Five Star in the sub-category will be selected for sub-category award at the district level (Total 10).
- The district level committee may get a physical verification of the nominated schools done by a team consisting of school teachers and students in the district. The verification would be done using a check list and by taking photographs.
- Each of the selected schools with highest overall score (Total 8) and each of the schools having the highest score under each sub-category (Total 40) will be awarded with certificate of recognition at district level, provided that all the schools with an overall rating of Five Star would be awarded with a certificate of Recognition.

(ii) State/UT Level Awards: Open for Five Star and Four Star Rated Schools

- Schools selected for District Level Awards with overall rating not less than Four Star will be considered for the State/UT Level Awards. In case the number of Schools in a district having Five Star Rating is more, all the schools having overall Five Star Rating will be considered for State/UT Level Awards.
- These schools will be screened by a State/UT Level Committee headed by the State Education Secretary or her/his nominee and comprising of Director (Education), Director (Health), two eminent school heads (selected by the State Education Secretary), Chief Engineer (Water Supply & PHD), Director (Panchayati Raj), Director (Urban Local Bodies), representatives of Civil Society Organizations as members.
- Twenty Elementary and twenty Secondary schools having the maximum score and rating not less than Four Star from urban & rural areas (5 from urban and 15 from rural) will be selected for State/UT Level Awards.
- The State/UT Level Committee may get a physical verification of the selected schools done by a team consisting of school teachers and students in the district. The verification would be done using a check list and taking photographs.
- A maximum of 40 schools selected at State/UT level from each State/UT will be awarded with a Certificate of Recognition.
- The State may also decide to confer these schools with additional grants/funds for incentivizing them.

- A maximum of twenty entries each at Elementary and Secondary level from each State/UT would be considered for the National Level Award.

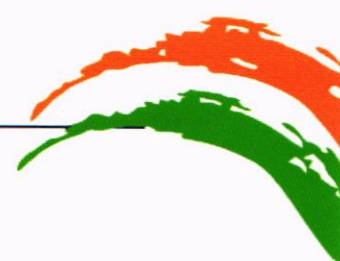
(iii) National Level Awards: Open to only Five Star rated schools

- A maximum of 100 schools each at Elementary and Secondary level will be awarded at the National level (with a ceiling of 30 urban and 70 rural areas schools in each level)
- A maximum of 40 schools selected for State/UT Level Awards with rating of five stars from each State/UT will be considered for National Level Awards.
- 3 best performing States will be recognized and awarded with a Certificate of Recognition based on the scores secured by their nominated schools qualified for National level awards.
- 100% physical verification of the nominated schools will be done using a check list and by taking photographs.
- A National level Committee headed by the Secretary (School Education & Literacy) and comprising of Additional Secretary (School Education), Joint Secretary (Ministry of Drinking Water and Sanitation), Joint Secretary (School Education), 3 experts in Schools/ Bilateral agencies/Civil Society Organizations (to be nominated by Secretary(School Education & Literacy) as members will decide the final awardees.
- The best 100 schools each at the Elementary and Secondary levels having the maximum score will be given an award of Rs. 50,000/- as additional School Grant to be utilised as per the School Grant Guidelines for improving Sanitation and hygiene along with a Certificate of Recognition.
- In addition, Certificates of Recognition would be awarded to best participating Districts (Total 10) that will be judged on the basis of the percentage of schools participating in the National level awards.
- The Expenditure for the National Level Awards will be borne under SSA/RMSA programmes.

6

Stages and Timelines of the Awards Process

Submission of application	1 st September - 31 st October, 2017
Selection for awards at the District Level and submission of the results to the State/UT Level	1 st November - 30 th November, 2017
Selection for awards at the State/UT Level1	1 st December – 31 st December, 2017
Submission of State/UT Level results to MHRD for National Level selections	by 7 th January, 2018
Selection of school for National award	31 st March 2018



Self-Assessment Format for School level information

Section A: Primary Information

A 1. U-DISE Code:

A 2. Name of School and Address:

A 3. Name of Respondent:

A 4. Designation of Respondent:

- a) Head Master/ Head Mistress
- b) School In-charge
- c) Teacher
- d) Others

A 5. Contact Details of Respondent:

- a) School Phone No:
- b) Mobile No:
- c) Email id:

A 6. Category of school

- a) Primary (1-5)
- b) Primary, Upper primary (1-8)
- c) Primary, Upper primary, Secondary (1-10)
- d) Primary, Upper primary, Secondary/ Higher secondary (1-12)
- e) Upper primary(6-8)
- f) Upper Primary , Secondary (6-10)
- g) Upper primary, Secondary/ Higher secondary (6-12)
- h) Secondary only (9-10)
- l) Secondary/ Higher secondary (9-12)

A.7. Type of School

- a) All boys schools
- b) All girls school
- c) Co-education

A 8. Usage of school premises

- a) Single School - Single shift
- b) Single School - Double shift
- c) Multiple Schools on premises with different U-DISE codes

A 9. Year of Establishment of the School _____

A 10. Location of the school

- a) Rural Area
- b) Urban Area

A 11. Type of Board

- a) State
- b) Others

A 12. Number of Students enrolled in the school being verified:

- a). Boys
- b). Girls

A 13. Number of Children with Special Needs:

- a) Boys
- b) Girls

A 14. Number of Teachers and Staff:

- a) Male
- b) Female

A 15. Information on awards won by the school in SVP 2016-17:

- a) District level
- b) State level
- c) National level

- Save
- OTP will be generated over sms
- Login using U-DISE and OTP to complete the rest of the survey

SECTION B : ASSESSMENT CATEGORIES

WATER

- Access to Safe and Reliable Drinking Water
- Availability of Water for Use in Toilet and Handwashing

SURVEY

1. What is the main source of drinking water in the school?

- Students do not have access to drinking water
- Students bring drinking water from home
- Hand pump / bore well within the school premises
- Filtered/ packaged/ RO/UV water provided by the school
- Treated running water with water storage tank within the school premises

If (a) or (b), then question number 2-4 are not applicable to you. Please go to question number 5

2. What is the quantity of water available in the school for drinking?

- Less than 1.5 litres per student per day
- More than 1.5 litres per person per day throughout the year

3. How is drinking water stored in the school?

- No storage system for storing drinking water
- Container /pitcher
- Container/pitcher with lid and ladle

4. Is the quality of drinking water tested?

- No testing
- Tested once in a year
- Tested twice in a year

5. What is the main source of water for use in toilets?

- No water available
- Hand pump/bucket near toilet unit
- Drums/ cement tanks/ plastic containers with water inside the toilet unit
- Continuous water supply through taps inside each toilet unit

6. What is the main source of water for hand-washing after using toilets?

- No water
- Hand pump/bucket near hand washing area
- Drums/ cement tanks/ plastic containers with water near hand washing area
- Running water with taps at all the hand washing points

If (a) then question number 19 and 20 are not applicable to you.

7. What is the main source of water for hand washing before Mid-Day Meal (MDM) / lunch by students and cooks?

- No water
- Hand pump/bucket near hand washing area
- Drums/ cement tanks/ plastic containers with water near hand washing area
- Running water with taps at all the hand washing points

If (a) then question number 21, 22 and 23 are not applicable to you.

8. Is there a functional rain water harvesting facility in the school?

- No
- Yes

TOILETS

- Availability of Separate Functional Toilets for boys and girls
- Availability of Separate Functional Urinals for boys and girls
- Functional Toilet Facilities for Children With Special Needs, Teachers and Staff

9. Does the school have separate toilet units (1 toilet seat and 3 urinals) in working condition for boys and girls?

- There are no toilet units for boys and girls in the school
- The same toilet unit is used by boys and girls
- The all boys/ all girls school has toilet units
- If co-education, there is at least one toilet unit each for boys and girls

If (a) then question numbers 10-13 are not applicable to you. Please go to Q. 14

If (b) then question numbers 10 and 11 are not applicable to you. Please go to Q. 12

10. How many toilets seats in working condition does the school have for boys and girls?

- Boys
- Girls

11. How many urinals does the school have for boys and girls?

- Boys
- Girls

12. Does the school have toilets for Children with Special Needs (CWSN)?

- Toilets are not accessible by CWSN
- There is at least one toilet that is accessible to CWSN
- There is at least one separate toilet for CWSN with ramp and handrail
- The school has at least one separate toilet for CWSN with ramp, handrail, wide door for wheelchair entry and support structure inside toilet.

13. Is the height and size of toilet and urinal facilities suitable for children of all age groups in the school?

- No
- Yes

14. Does the school have separate toilets for Teachers and Staff?

- No toilet
- There is one separate toilet for use by teachers and staff
- There are separate toilets for male and female teachers/ staff
- Teachers and staff use the toilets meant for students

15. Do all the toilets in the school have secure door with latch and cloth hanging hooks?

- No
- Door with latch/bolt only
- Door with latch/bolt and cloth hanging hooks

16. Do all the toilets have roof and proper ventilation for natural light and air?

- No
- Yes

17. Does the school have separate dustbins with lid for disposal of sanitary waste?

- No
- Yes

18. Does the school have safe treatment/ disposal options (an incinerator in working condition maintaining adequate burning temperature or deep burial of waste with adequate precautions) in working condition for disposal of sanitary waste?

- No
- Yes

HANDWASHING WITH SOAP

- Functional Handwashing with Soap Facilities for Use After Toilet
- Functional Handwashing with Soap Facilities for Use Before Meals

19. Does the school have facility for handwashing after use of toilet?

- No hand washing facility near the toilet units
- Wash basin or hand washing point close to the toilet units
- Wash basin for hand washing either inside or attached to every toilet unit

If (a) then question number 20 is not applicable to you. Please go to Q. 21

20. Does the school provide soaps for hand washing after use of toilets?

- No soaps available
- Soaps are placed under supervision and are available on demand
- Soaps are available at all the hand washing points all the time

21. Does the school have facility for handwashing before Mid-Day Meal (MDM) / lunch where a group of children can practice hand washing at the same time?

- No hand washing facility
- Yes, with water from hand pump/bucket close to dining area
- Yes, with water from taps; indicate number of taps

If (a) then question numbers 22-24 are not applicable to you. Please go to Q. 25

22. Does the school provide soaps for handwashing before Mid-Day Meal (MDM) / lunch?

- No soaps available
- Soaps are placed under supervision and are available on demand
- Soaps are available at all the handwashing points at all the times

23. Do all children wash their hands with soap before mid-day meal (MDM)/ Lunch?

- No, not all
- Yes, all children wash their hands with soap

24. Is the height of handwashing facilities suitable for children of all age groups in the school?

- No
- Yes

OPERATIONS AND MAINTAINANCE

Safe disposal of Solid and Liquid Waste Cleaning and Maintenance of School Environment

25. Does the school provide dustbins in each class room, kitchen area, toilets and at other appropriate locations for collection of waste?
 - a) No
 - b) Yes
26. How does the school dispose its solid waste?
 - a) No specific measure
 - b) Pit or municipal/ community bins
 - c) Segregating organic and inorganic waste and disposing both in a pit or municipal/ community bins
 - d) Composts organic waste and disposes inorganic waste in pit or municipal/ community bins
27. How does the school dispose its liquid waste?
 - a) No specific measure
 - b) Drain
 - c) Leach pits with sturdy cover to prevent accidental fall
 - d) Septic tank/bio-toilets/Sewer line with sturdy cover to prevent accidental fall
28. Is the school premises clean and free of water logging?
 - a) No
 - b) Yes
29. Are the classrooms and teaching areas cleaned daily?
 - a) No
 - b) Yes
30. What is the frequency of cleaning toilets?
 - a) No specific schedule
 - b) Once a week
 - c) Twice in a week
 - d) Daily
31. Are toilets cleaned with appropriate cleaning material?
 - a) Cleaned only with water
 - b) Cleaned atleast once in a month with soaping agent and disinfectant
 - c) Cleaned atleast twice in a week with soaping agent and disinfectant
 - d) Cleaned daily with soaping agent and disinfectant

BEHAVIOR CHANGE AND CAPACITY BUILDING

- Hygiene Practices by students and cooks of mid-day meal
- Hygiene Education in School

32. Does the school have at least 2 teachers trained in sanitation and hygiene education?
- No
 - Yes
33. Does the school have a Child cabinet (Bal Sansad) that takes an active role in promoting sanitation and hygiene practices?
- No
 - Yes
34. Who supervises the cleaning and maintenance of the toilets in the school?
- No one in particular
 - Team of teachers, staff and child cabinet members
35. Who supervises the practice of daily handwashing with soap by students and cooks before Mid-Day Meal (MDM) / lunch?
- No one in particular
 - Teacher/ staff member
 - Dedicated team of teachers/ staff members
 - Dedicated team of teachers/staff members and child cabinet members
36. Does the school take up safe hygiene and sanitation education including awareness on hand-washing during morning assembly and in school clubs?
- No
 - Yes
37. Is menstrual health management discussed with girl students?
- No girl students in upper primary and high school
 - No, it is not discussed
 - Yes, at least once in 3 months
 - Yes, at least once in 2 months
 - Yes, at least once every month
38. Does the school regularly conduct cultural programs and competitions (Essay, painting, debate) on hygiene and sanitation?
- No
 - Yes
39. Does the school display and use Water, Sanitation and Hygiene related posters and materials for promoting hygiene education?
- No
 - Yes

PHOTOS

- Front view of the school and premises
- Separate functional toilets for boys and girls (2 photos)
- Functional toilets for CWSN
- Incinerator burial system for disposal of sanitary waste
- Facilities for handwashing with soap after use of toilets and before mid-day meal/ lunch (1 photo each)
- Water quality testing report
- Teacher training certificate/ document

ANNEXURE 2

List of Indicators

S.No.	Categories	Indicators
I	Water	Access to Safe and Reliable Drinking Water
		Availability of Water for Use in Toilet
II	Toilets	Availability of Separate Functional Toilets for boys and girls
		Availability of Separate Functional Urinals for boys and girls
		Functional Toilet Facilities for Children With Special Needs, Teachers and Staff
III	Handwashing with Soap	Functional Handwashing Facilities for Use After Toilet
		Functional Handwashing Facilities for Use Before Meals
IV	Operations and Maintenance	Safe Disposal of Solid and Liquid Waste
		Cleaning and Maintenance of School Environment
V	Behavior Change and Capacity Building	Hygiene Education in School
		Hygiene Practices by students and cooks of Mid-Day Meal (MDM) / lunch



ANNEXURE 3

Scoring Method

Assessment Categories	Maximum Score
Water (Q.1-8)	22
Toilet (Q. 9-18)	28
Handwashing With Soap (Q. 19-24)	20
Operations And Maintenance (Q. 25-31)	15
Behavior Change And Capacity Building (Q. 32-39)	15
Total	100

Category Of Schools	Maximum Score
Co-ed, UP, HS	100
Co-ed, PS (Q. 17, 18, 37 are not relevant)	95
All boys schools (Q. 10b, 11b, 17, 18, 37 are not relevant)	89
All girls schools, PS (Q. 10a, 11a, 17, 18, 37 are not relevant)	89
All girls, UP, HS (Q.9, 10a, 11a are not relevant)	91



With technical support of:



Administrative Staff College of India
Bella Vista, Hyderabad 500082
Telephone: +91 40 66534221
Website: www.asci.org.in



United Nations Children's Fund
India Country Office
UNICEF House, 73, Lodi Estate, New Delhi 110003
Telephone: +91 11 24690401
Website: www.unicef.in